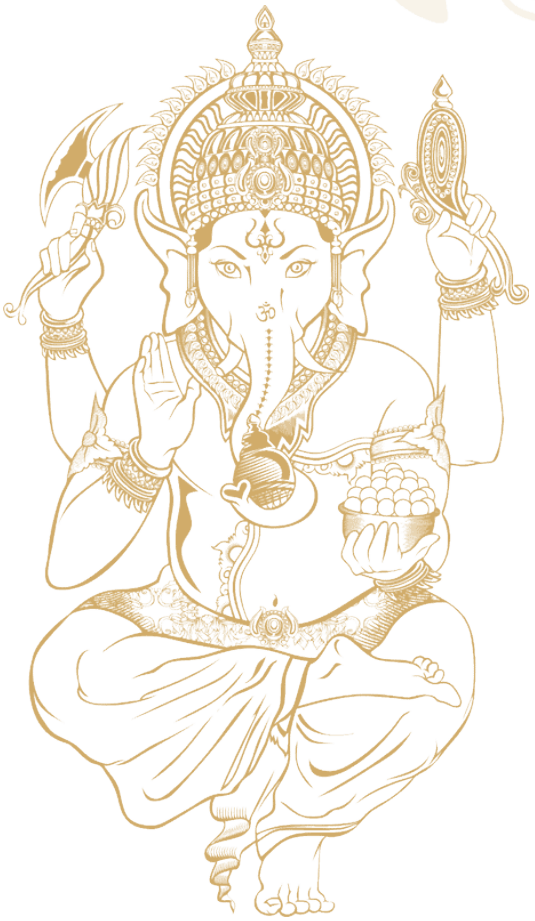

Jain

17 Jan 2026

05:39 PM

Noida

Model: web-freekundliweb

Order No: 121578105

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/01/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**17:39:00 घंटे**
इष्ट	26:02:03 घटी
स्थान	**Noida**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:18:44 घंटे
वेलान्तर	-00:10:01 घंटे
साम्पातिक काल	01:06:27 घंटे
सूर्योदय	07:14:10 घंटे
सूर्यास्त	17:46:48 घंटे
दिनमान	10:32:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	03:09:49 मकर
लग्न के अंश	02:22:32 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	व्याघात
करण	शकुनि
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	धा-धर्मेन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	02:22:32	307:53:22	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	---
सूर्य			मक	03:09:49	01:01:07	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	18:08:55	12:16:00	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल		अ	मक	01:12:08	00:46:36	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	उच्च राशि
बुध		अ	मक	00:29:45	01:38:30	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	24:55:38	00:07:56	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	05:44:51	01:15:27	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
शनि			मीन	03:06:23	00:04:54	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:26:38	00:08:02	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:26:38	00:08:02	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:22:17	00:00:55	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:33:44	00:01:16	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:00:38	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	23:47:37	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:22

लग्न-चलित

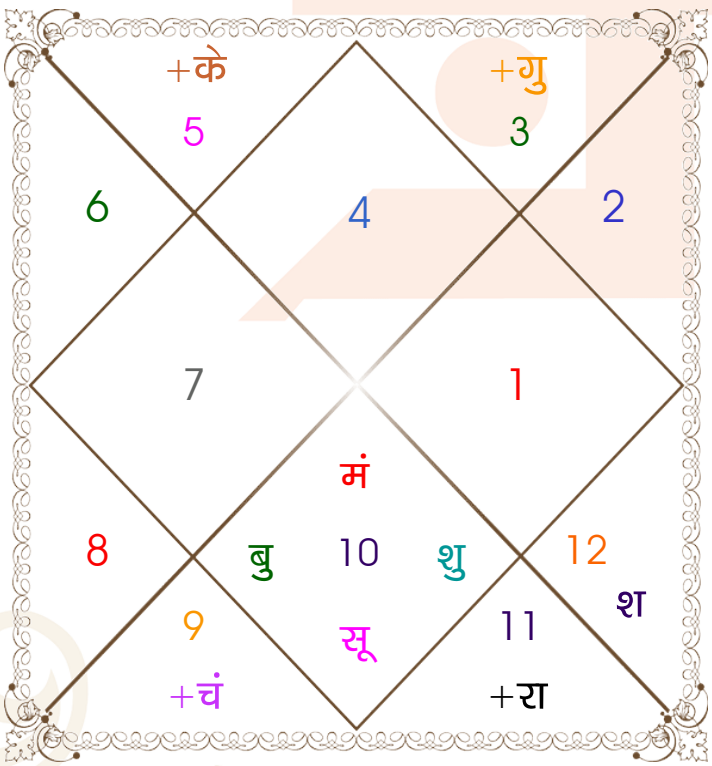

चन्द्र कुंडली

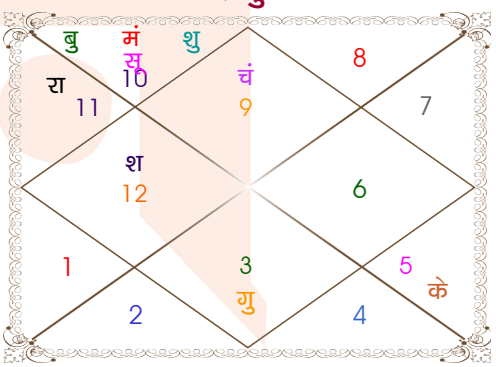

नवमांश कुंडली

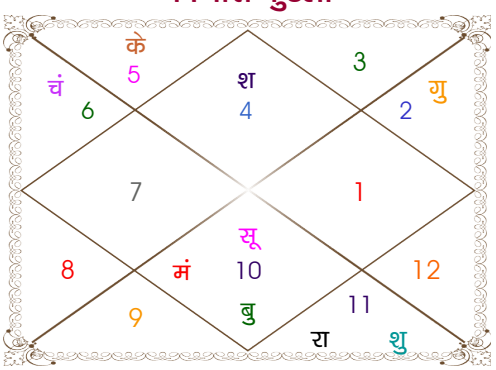

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 12 वर्ष 9 मास 9 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
17/01/2026		28/10/2038		28/10/2044		28/10/2054		28/10/2061	
28/10/2038		28/10/2044		28/10/2054		28/10/2061		28/10/2079	
	00/00/0000	सूर्य	15/02/2039	चंद्र	28/08/2045	मंगल	26/03/2055	राहु	10/07/2064
	00/00/0000	चंद्र	16/08/2039	मंगल	29/03/2046	राहु	13/04/2056	गुरु	04/12/2066
	00/00/0000	मंगल	22/12/2039	राहु	28/09/2047	गुरु	20/03/2057	शनि	10/10/2069
	17/01/2026	राहु	15/11/2040	गुरु	27/01/2049	शनि	28/04/2058	बुध	28/04/2072
राहु	27/12/2028	गुरु	03/09/2041	शनि	28/08/2050	बुध	26/04/2059	केतु	16/05/2073
गुरु	28/08/2031	शनि	16/08/2042	बुध	28/01/2052	केतु	22/09/2059	शुक्र	16/05/2076
शनि	28/10/2034	बुध	22/06/2043	केतु	28/08/2052	शुक्र	21/11/2060	सूर्य	10/04/2077
बुध	28/08/2037	केतु	28/10/2043	शुक्र	28/04/2054	सूर्य	29/03/2061	चंद्र	10/10/2078
केतु	28/10/2038	शुक्र	28/10/2044	सूर्य	28/10/2054	चंद्र	28/10/2061	मंगल	28/10/2079

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
28/10/2079		28/10/2095		29/10/2114		29/10/2131		29/10/2138	
28/10/2095		29/10/2114		29/10/2131		29/10/2138		00/00/0000	
गुरु	16/12/2081	शनि	31/10/2098	बुध	27/03/2117	केतु	26/03/2132	शुक्र	28/02/2142
शनि	28/06/2084	बुध	11/07/2101	केतु	24/03/2118	शुक्र	27/05/2133	सूर्य	28/02/2143
बुध	04/10/2086	केतु	20/08/2102	शुक्र	22/01/2121	सूर्य	01/10/2133	चंद्र	29/10/2144
केतु	10/09/2087	शुक्र	20/10/2105	सूर्य	28/11/2121	चंद्र	02/05/2134	मंगल	29/12/2145
शुक्र	11/05/2090	सूर्य	02/10/2106	चंद्र	30/04/2123	मंगल	29/09/2134	राहु	18/01/2146
सूर्य	27/02/2091	चंद्र	02/05/2108	मंगल	26/04/2124	राहु	17/10/2135		00/00/0000
चंद्र	28/06/2092	मंगल	11/06/2109	राहु	13/11/2126	गुरु	22/09/2136		00/00/0000
मंगल	04/06/2093	राहु	17/04/2112	गुरु	18/02/2129	शनि	01/11/2137		00/00/0000
राहु	28/10/2095	गुरु	29/10/2114	शनि	29/10/2131	बुध	29/10/2138		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 12 वर्ष 8 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में कर्क लग्न, कर्क नवमांश एवं कर्क राशि के द्रेशकाण में हुआ है। जन्मकाल वर्गोत्तम गुण से युक्त एवं अनुकूल जन्म लग्नोदयादि उदित था जिसके प्रभाव से आप भाग्यशाली, अनेक अनुकूलताओं से युक्त, आरामदायक जीवन व्यतीत करनेवाले है। समाज में आपकी स्थिति समृद्धियुक्त एवं जीवन का श्रेय वर्गोत्तम का प्रभाव भगवान की देन प्रमाणित करता है।

आपके जीवन का मुख्य सबक यह है कि आप मस्तिष्क में यह बात सोच लें कि आप निश्चित रूप से उन्नति प्राप्त करेंगे एवं आप किसी भी विषय अथवा कार्य योजना पर निश्चित समय पर निर्णय लेकर, कार्यरूप देना, यह आपका स्वाभाविक जन्मजात विशेषता है। यदि आप तत्क्षण कार्य की सुनिश्चितता नहीं प्राप्त कर सके तो परिणामस्वरूप अनेकानेक सुअवसर का लाभ आपको हस्तगत नहीं हो सकेगा। अस्तु आपको दृढ़तापूर्वक चिन्तन करके कार्य कला नीति लागू करनी चाहिए। ताकि आप लाभ प्राप्ति के परिणाम के अनुसार विजय श्री प्राप्त कर सकें।

आपको दो अन्य अपेक्षित सावधानी के सम्बन्ध में ध्यान देना आवश्यक है। आप जितनी संख्या में सन्तान की प्राप्ति चाहेंगे-उतनी संतान का सुख अवश्य प्राप्त होगा।

आपके शरीर का उपरी भाग बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली रहेगा। जबकि कुछ वर्षों के बाद उदर बड़ा होकर शरीर का निचला भाग दुर्बल हो जायगा। यदि आप बैल की भॉति उदर बढ़ाने की प्रवृति का त्याग करें। अन्य दूसरी बात यह है कि आप अपने पारिवारिक आकृति के सम्बन्ध में सचेत रहे। क्योंकि छोटा परिवार द्वारा उत्तम सुख प्राप्त होता है। इसलिए परिवार के प्रति समर्पित एवं पत्नी के साथ अनुकूलतापूर्वक सम्बंधित रहकर परिवार नियोजन के सिद्धान्त के अनुसार अधिक मात्रा में सन्तानोत्पत्ति पर नियंत्रण रख सकते हैं। यह स्वभाव आप दोनों में किसी का भी आपके पारिवारिक जीवन अथवा देशीय प्रथा के लिए ठीक नहीं है। यह झलक आपके जन्म प्रभाव से परिलक्षित होता है।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप समझौता पूर्वक सचेत रहकर पारिवारिक सुख एवं बच्चों के सुख एवं लाभ के लिए सुनिश्चित कर लें कि आपका परिवारिक जीवन नियंत्रित हो।

सामान्यतया आप पूर्णरूपेण स्वस्थ्य रहने के लिए सचेष्ट रहें, तथा स्वास्थ्य का सम्पोषण करते रहेंगे।

आप अपने स्वस्थ्य के लिए तथा कुछ रोगादि के प्रति सावधान रहें क्योंकि आप मूर्छा रोग, सफेद दाग, हिस्ट्रीया, फोड़ा फुन्सी तथा गले की दिक्कतें सम्बंधी रोग से आक्रान्त हो सकते हैं।

आपके लिए अनुकूल कर्म व्यवसायों में आयात-निर्यात, पर्यटन कार्य, ट्रान्सपोर्ट का कार्य तथा सामुदायिक कार्य करना उत्तम होगा। इसके अतिरिक्त कृषि कार्य, फैक्ट्री

चलाना, यांत्रिक, रेस्टोरेन्ट खेल सामग्री सुरक्षा एवं पुलिस की नौकरी से सम्बंधित कार्य कर सकते हैं। आप राजनीति के लिए उपयुक्त एवं पूर्ण समर्थ है। सम्बंधित कार्य आपके लिए लाभदायक प्रमाणित होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं कम्पनशील है।

अंक 3 एवं 5 अंक आपके लिए प्रतिकूल है अतः इस अंक के व्यवहार का त्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद एवं क्रीम रंग, पीला एवं लाल रंग प्रमाणित हो सकता है। हरा एवं ब्लू रंग का सर्वथा त्याग करें।